आदिकालीन इतिहास

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय
चार

सही दिशा

THIRD MILLENNIUM
MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-सूची

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 3

तैयारी 4

नोट्स 5

I. परिचय (0:26) 5

II. साहित्यिक संरचना (2:44) 5
- A. छुटकारे की बाढ़ (4:49) 5
  - 1. आरम्भिक वाचा (4:17) 5
  - 2. स्थाई वाचा (5:56) 6
  - 3. पानी से बचाव (7:42) 6
  - 4. शुष्क भूमि पर निकास (8:24) 6
  - 5. दिव्य स्मरण (8:54) 7
- B. नई व्यवस्था (10:21) 7
  - 1. नूह के पुत्र (18:27) 7
  - 2. बाबुल की पराजय (14:31) 8

III. मूल अर्थ (16:53) 9
- A. छुटकारे की बाढ़ (18:05) 9
  - 1. सम्पर्क (18:27) 9
  - 2. निहितार्थ (23:57) 12
- B. नूह के पुत्र (25:04) 12
  - 1. कनान (25:39) 12
  - 2. संघर्ष (27:40) 13
  - 3. निहितार्थ (38:37) 13

IV. आधुनिक उपयोग (41:49) 16
- A. उदघाटन (43:01) 16
  - 1. वाचा (43:34) 16
  - 2. विजय (45:30) 17
- B. निरन्तरता (46:59) 17
  - 1. बपतिस्मा (47:46) 17
  - 2. आत्मिक युद्ध (50:38) 18
- C. पराकाष्ठा (52:41) 18
  - 1. अन्तिम महाप्रलय (53:07) 18
  - 2. अन्तिम लड़ाई (55:58) 19

V. सारांश (58:16) 19

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 20

उपयोग के प्रश्न 24

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
  - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
  - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अन्तराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अन्तराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
  - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
  - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें** — जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
  - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
  - **पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें** — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
  - **उपयोग के प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें** — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

तैयारी

- पढ़ें उत्पत्ति 6:9–11:9

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:26)

II. साहित्यिक संरचना (2:44)

A. छुटकारे की बाढ़ (4:49)

ये अध्याय सममितीय पाँच-चरणों वाले नाटक को आकार देते हैं।

1. आरम्भिक वाचा (4:17)

परमेश्वर ने नूह से बात की और प्रकट किया कि क्यों उसने मानवजाति को नष्ट करने की योजना बनाई थी।

परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार को छुड़ाने के द्वारा सब कुछ को फिर से आरम्भ करने की योजना बनाई।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. स्थाई वाचा (5:56)

परमेश्वर ने नूह के साथ बाढ़ की कथात्मक कहानी के अन्त मे एक और वाचा बाँधी (देखें उत्पत्ति 9:11-15)।

नूह एक ऐसी वाचा का मध्यस्थ था जो कि आने वाली सभी पीढ़ियों तक विस्तारित हुई।

3. पानी से बचाव (7:42)

नूह ने जहाज को बनाया और हर तरह के प्राणी को वह इसमें ले आया।

4. शुष्क भूमि पर निकास (8:24)

दूसरे चरण के प्रति नाटकीय विरोधाभासी बिन्दु।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. दिव्य स्मरण (8:54)

इस कथात्मक कहानी का केन्द्र, या परिवर्तन बिन्दु।

मूसा का मुख्य उद्देश्य यह दिखाना था कि नूह के द्वारा परमेश्वर मनुष्य को विस्तृत आशीषों के एक संसार में ले आया है।

B. नई व्यवस्था (10:21)

1. नूह के पुत्र (18:27)

उत्पत्ति 9:20-29 पुत्रों के मध्य में विभिन्नताओं को स्थापित करती है।

उत्पत्ति 10:1-32 नूह के पुत्रों के वितरण और उनके वंशों का वर्णन करते हैं :

- येपेतवंशी — कनान के उत्तर, उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम के क्षेत्र
- हामवंशी — उत्तरी अफ्रीका
- शेम का पुत्र, कनान— कनान नाम की भूमि, इस्राएल की प्रतिज्ञात् भूमि
- शेमवंशी — अरब प्रायद्वीप

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. बाबुल की पराजय (14:31)

बाबुल के गुम्मट की कहानी पाँच सममितीय नाटकीय चरणों में विभाजित है।

a. **मनुष्यों का विशाल बहुमत**

b. **मनुष्यजाति की योजना**

c. **दिव्य हस्तक्षेप**

d. **परमेश्वर की योजना**

e. **मनुष्यजाति का तितर-बितर होना**

नूह के पुत्रों का विवरण :

- दिखाता है कि नई व्यवस्था में मनुष्यों के विभिन्न समूहों में जटिल परस्पर सम्बन्ध सम्मिलित हैं।

- परमेश्वर के प्रति अधिक अवज्ञा को और परमेश्वर द्वारा उन लोगों की पराजय को जो उसकी अवहेलना करते हैं, सम्मिलित करता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

III. मूल अर्थ (16:53)

मूसा ने लिखा :

- अतीत का विवरण देने के लिए
- अपने दिनों में इस्राएल के मार्गदर्शन के लिए

A. छुटकारे की बाढ़ (18:05)

1. सम्पर्क (18:27)

मूसा ने अपने और नूह के बीच के संबंधो को दर्शाने के द्वारा बाढ़ के दिनों और अपने दिनों के बीच संबंधों को स्थापित किया।

a. हिंसा

नूह और मूसा दोनों का कार्य हिंसा से छुटकारा देने का था।

b. जहाज

मूसा और नूह दोनों ने पानी के द्वारा आने वाली मृत्यु से जहाज या *टीवा* के द्वारा छुटकारा पाया था।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

c. वाचाएं

- नूह ने परमेश्वर के साथ सम्पूर्ण मानव जाति की ओर से वाचा में प्रवेश किया।

- मूसा ने यहोवा के साथ एक विशेष वाचा में इस्राएल के लोगों का नेतृत्व किया।

d. पानी के द्वारा न्याय

- नूह — बाढ़

- मूसा — लाल समुद्र को पार करना

e. पवन

परमेश्वर ने नूह के दिनों और मूसा के दिनों में पानी को घटाने के लिए पवन या हवा चलाई।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

f. **पशु या जानवर**

- नूह अपने समय के संसार में जानवरों को लाया।

- मूसा प्रतिज्ञात भूमि में जानवरों को लेकर आया।

g. **दिव्य स्मरण**

- परमेश्वर ने नूह के बदले में कार्य किया क्योंकि उसने उसे स्मरण रखा था।

- परमेश्वर ने इस्राएल को मिस्र से छुड़ाया क्योंकि उसने उसकी वाचा को स्मरण रखा था।

h. **प्रकृति की आशीष**

- नूह — स्थाई और स्थिर प्राकृतिक व्यवस्था जो कि मनुष्य को लाभ देगी।

- मूसा — प्रतिज्ञात् भूमि में प्रकृति निरन्तर स्थाई और हितकारी होगी।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. निहितार्थ (23:57)

परमेश्वर ने नूह को इस्तेमाल किया :

- मानव जाति को भयानक आदिकालीन हिंसा से छुटकारा देने के लिए
- मानव जाति को नए संसार की महान् आशीषों को पुनःस्थापित करने के लिए

परमेश्वर ने मूसा को चुना था :

- इस्राएल को मिस्र की भयानक हिंसा से छुटकारा देने के लिए
- इस्राएल को प्रतिज्ञात् भूमि के नए संसार में लाने के लिए

मूसा की इस्राएल के लिए योजना नूह की बाढ़ के साथ इतनी समान थी कि कोई यह नहीं कह सकता कि यह परमेश्वर की ओर से नहीं है।

B. नूह के पुत्र (25:04)

1. कनान (25:39)

हाम के पुत्र कनान ने नूह के श्राप को प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त हाम का तो कोई महत्व ही नहीं है कि वह कनान का पिता था।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. संघर्ष (27:40)

मूसा ने तीन बार कनान के श्राप को दोहराते हुए संघर्ष की निश्चितता पर जोर दिया।

कनान येपेत के डर से उसके अधीन केवल उसी सीमा में होगा जिस सीमा में येपेत की शक्तियाँ शेम के साथ आ मिलेंगी।

मानव जाति के भविष्य में एक नाटकीय संघर्ष का होना आवश्यक है जिसमें शेम के वंशज कनान के वंशजों को अपने अधीन करेंगे।

3. निहितार्थ (38:37)

कनानवंशीय लोग, उस क्षेत्र में वास करते थे जो कि उत्तर से दक्षिण की ओर गाजा, और सदोम और अमोरा के क्षेत्र तक फैला था।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

मूसा द्वारा नूह के पुत्रों का विवरण मूसा की इस्राएल को विजय की ओर बढाने के लिए दी गई बुलाहट के लिए एक पृष्ठभूमि को प्रदान करके लिए दिया गया था।

बाबुल बाद में बेबीलोन के नाम से जाना गया।

मूसा ने परमेश्वर की भव्य विजय के प्रदर्शन में इनके बीच तुलना की :

- बाबुल में रहने वाले निवासियों के दृष्टिकोण

- अपने स्वयं के सच्चे दृष्टिकोण

शब्द "फैलना" का युद्ध में पूरी तरह से हार का नकारात्मक अर्थ है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

यहोवा की एक आश्चर्यजनक विजय :

- अपनी स्वर्गीय सेना को बाबुल के विरूद्ध युद्ध में बुलाया

- इसके निवासियों के भागने पर पूरी पृथ्वी पर उनका पीछा किया

बाबुल के निवासी एक ऐसे गुम्मट का निर्माण करना चाहते थे जो कि आकाश से बातें करे। यहोवा स्वर्ग की ऊँचाइयों से केवल उस नगर को देखने के लिए नीचे उतर आया।

मूसा ने इस प्राचीन नगर की यह कहते हुए निन्दा की कि वास्तविक कारण जिससे इस नगर को बाबूल कह कर पुकारा जाता था वह “बालैल” था क्योंकि वास्तव में गड़बड़ी यहीं घटित हुई थी।

यहोवा ने आदिकालीन इतिहास में इस बड़े नगर को एक मजाक बना दिया था।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस्राएलियों ने सोचा कि कनान के नगरों की शहरपनाह आकाश तक पहुँचती थी, बहुत कुछ उसी तरह से जैसे जिन्होंने बाबुल में उस गुम्मट का निर्माण यह सोच कर किया कि ये उनके जिगुरैट स्वर्ग तक पहुँचते थे।

IV. आधुनिक उपयोग (41:49)

A. उदघाटन (43:01)

मसीह ने उद्धार को उन तरीकों से पूर्ण किया जो उत्पत्ति 6:9-11:9 के विषयों के सदृश हैं।

1. वाचा (43:34)

मसीह ने नई वाचा के माध्यम से अपने लोगों को परमेश्वर के दण्ड से बचाया।

मसीह तब इस संसार में आया जब परमेश्वर के लोग दैवीय दण्ड के अधीन थे।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. विजय (45:30)

नई व्यवस्था ने इस्राएलियों से यह माँग की कि वे कनान की विजय की ओर आगे बढ़ें, और उसने उन्हें बड़ी विजय की प्राप्ति के लिए सुनिश्चित किया।

यीशु अपनी मृत्यु और पुनरूत्थान में अन्धकार की आत्मिक शक्तियों के ऊपर विजयी ठहरा था।

B. निरन्तरता (46:59)

मसीह के पहले और दूसरे आगमन के बीच का समय उत्पत्ति 6:9–11:9 से संबंधित है।

1. बपतिस्मा (47:46)

नूह के दिनों में बाढ़ का पानी मसीही बपतिस्मे को दर्शाता है या उसकी कल्पना करता है (1 पतरस 3:20-22)।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. आत्मिक युद्ध (50:38)

नूह के समय में बाढ़ का पानी मानव जाति को एक पवित्र युद्ध में ले आया।

मसीही विश्वासी आज बुराई के साथ युद्धरत हैं।

C. पराकाष्ठा (52:41)

नए नियम के लेखकों ने मसीह के महिमा सहित पुन: आगमन को अन्तिम महाप्रलय और अन्तिम युद्ध के रूप में दर्शाया है।

1. अन्तिम महाप्रलय (53:07)

नूह के समय का जलप्रलय प्रमाणित करता है कि यीशु का पुनरागमन होगा (2 पतरस 3:3-7).

वर्तमान आकाश और पृथ्वी न्याय में मसीह के पुन: आगमन के समय नाश हो जाएगी।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

जब मसीह का पुन: आगमन महिमा सहित होगा, तो वहाँ पर महाप्रलय होगा जो कि पूर्ण रूप से जिस संसार को हम जानते हैं उसे बाधित कर देगा।

2. अन्तिम लड़ाई (55:58)

कि मसीह का पुन: आगमन एक विश्वव्यापी लड़ाई के साथ होगा जिसमें मसीह स्वयं प्रगट होगा और उसके सभी शत्रुओं को नष्ट कर देगा (प्रका. 19:11-16)।

V. सारांश (58:16)

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. छुटकारे की बाढ़ के पांच चरणों की घटना को सारगर्भित कीजिए।

2. किस प्रकार नूह के पुत्रों और बाबुल की पराजय के हिस्से बाढ़ के बाद की नई व्यवस्था के प्रारूप को दर्शाते हैं?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. नूह के दिनों की बाढ़ और मूसा के दिनों में इस्राएल के अनुभव के बीच के संपर्कों या संबंधों का वर्णन कीजिए। इन संबंधों से मूसा ने अपने पाठकों से किन अर्थों को समझने की अपेक्षा की?

4. उत्पत्ति 9:18–10:32 में मूसा अपने पाठकों को नूह के पुत्रों के विवरण से क्या समझाना चाहता था?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. किस प्रकार राज्य का उदघाटन उन विषयों के सदृश्य है जिन पर मूसा ने उत्पत्ति 6:9–11:9 में बल दिया था?

6. किस प्रकार राज्य की निरंतरता उन विषयों के सदृश्य है जिन पर मूसा ने उत्पत्ति 6:9–11:9 में बल दिया था?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. किस प्रकार राज्य की पराकाष्ठा उन विषयों के सदृश्य होगी जिन पर मूसा ने उत्पत्ति 6:9–11:9 में बल दिया था?

8. राज्य के उदघाटन, निरन्तरता और पराकाष्ठा के प्रकाश में उत्पत्ति 6:9–11:9 के आधुनिक उपयोग को सारगर्भित कीजिए।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. छुटकारे के विषय को नूह की बाढ़, प्रतिज्ञात भूमि की ओर इस्राएल की यात्रा और राज्य के उदघाटन में देखा जा सकता है। किन रूपों में परमेश्वर ने आपको छुड़ाया है? किस प्रकार परमेश्वर के छुटकारे का विषय आपको और वर्तमान संसार को आशा प्रदान करता है?

2. मूसा ने इस्राएलियों को लड़ाई में आगे बढ़ने को उत्साहित करने के लिए इन अध्यायों को लिखा। हम किस प्रकार इसी उत्साह को आत्मिक युद्ध पर लागू कर सकते हैं? और कौनसे युद्ध परमेश्वर ने आपके सामने रखे हैं?

3. किस प्रकार बाबुल के लोग परमेश्वर के तरीकों को लेकर असमंजस में थे? एक उदाहरण दीजिए कि किस प्रकार आधुनिक मसीही परमेश्वर पर निर्भर रहने की अपेक्षा अपने ही प्रयासों और अपनी ही सुरक्षा पर निर्भर रहते हैं?

4. किस प्रकार आधुनिक लोग मसीह के पुनरागमन का उपहास करते हैं और उस पर संदेह करते हैं? किस प्रकार नूह के समय की बाढ़ को स्मरण करना मसीह के आगामी प्रलयकारी हस्तक्षेप के बारे में हमें बता सकता है?

5. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है? क्यों?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org